पर्यावरण को बचाने आगे आए बच्चों और बड़ों ने रोपे पौधे

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजधानी भोपाल में जगह-जगह किया पौधरोपण, संरक्षण का लिया संकल्प

भोपाल 5 जून. टीटी नगर स्टेडियम में खेल और युवा कल्याण विभाग के कार्यक्रम में बच्चों ने पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया.

भोपाल, 5 जून. लगातार बढ़ते तापमान, बेमौसम बारिश ने हर व्यक्ति को चिंता में डाल दिया है, यही कारण है पर्यावरण को बचाने लोग जागरूक हुए हैं और जगह-जगह पौधे रोपने के साथ ही उनके पालन-पोषण का भी संकल्प ले रहे हैं. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को ऐसे ही नजारे राजधानी में देखने को मिले. इस मौके पर बच्चों, बड़े-बुजुर्गों और युवाओं ने पौधे रोपे और पेड़ बनने तक सींचने का संकल्प भी लिया.

पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा : मनीष गौतम

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को वार्तालाप शीर्षक पर मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया. पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम ने एक पेड़ मां के नाम से पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है. उन्होंने विकास के साथ वृक्षारोपण एवं उनके संरक्षण पर बल देते हुए स्वच्छ भारत मिशन, नदी संरक्षण तथा अन्य पर्यावरणीय पहलों की आवश्यकता पर जोर दिया. भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं पर्यावरणविद् डॉ. योगेश दुबे ने कहा कि जल संरक्षण, सर्कुलर इकोनॉमी, अपशिष्ट प्रबंधन का महत्व अधिक है. इसे सभी को अपनी जीवनशैली का स्थाई भाव से अपनाना चाहिए. मैनिट की सहप्राध्यापक डॉ. मीना अग्रवाल ने कहा कि सीमित प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को समय की आवश्यकता है. केंद्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक पराग मांदले ने ग्रीन इंडिया मिशन, नगर वन वाटिका योजना, एक पेड़ मां के नाम, नमामि गंगे जैसी केंद्र सरकार की प्रमुख पर्यावरणीय पहलों की जानकारी दी.

बीएचईएल ने पौधारोपण जागरुकता अभियान

विशेष संवाददाता

भोपाल. बीएचईएल ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की. कर्मचारियों और उनके परिवारों में पर्यावरण के प्रति जागरुकता बढ़ाने पर जोर दिया गया.

बीएचईएल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने महाप्रबंधकों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों को 'पर्यावरण सुरक्षा प्रतिज्ञा' दिलाई. उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत जीवन में पर्यावरण हितैषी आदतों को अपनाना चाहिए. उन्होंने कर्मचारियों से पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया. इस अवसर पर बीएचईएल के निदेशक (पावर), निदेशक (मानव संसाधन) अतिरिक्त प्रभार तथा बीएचईएल के कार्यपालक निदेशक द्वारा पर्यावरण संरक्षण संबंधी संदेश भी जारी किए गए. कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए विभिन्न विनिर्माण इकाइयों और शॉप फ्लोर पर विभागाध्यक्षों ने भी पर्यावरण सुरक्षा की शपथ दिलाई. बीएचईएल भोपाल ने 'प्रकृति से प्रेरित; जलवायु के लिए; हमारे भविष्य के लिए' थीम के तहत 5 जून से 4 जुलाई तक 'पर्यावरण जागरूकता माह' मनाने की शुरुआत की है. प्रशिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम, प्लास्टिक उन्मूलन अभियान, वृक्षारोपण, पोस्टर प्रतियोगिताएं तथा 'वेस्ट टू बेस्ट जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी.

एसबीआई भोपाल मंडल में अधिकारियों ने किया पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रेवा परिसर में मुख्य महाप्रबंधक प्रभाष कुमार सुबुद्धि, महाप्रबंधक मनोज कुमार ने पौधरोपण करकहा कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाना हम सभी का दायित्व है. प्रत्येक व्यक्ति को वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए.

सेन्ट्रल लाइब्रेरी में पौधारोपण: शासकीय मौलाना आजाद सेन्ट्रल लाइब्रेरी भोपाल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया. पुस्तकालय परिसर में 60 से अधिक छायादार और फलदार पौधे रोपे गए. क्षेत्रीय ग्रंथपाल रत्ना वाधवानी ने कहा कि जिस तरह एक पुस्तक विचारों को अंकुरित करती है, ठीक उसी प्रकार एक छोटा सा पौधा जीवन को पोषित करता है.

बीएसएनएल: बीएसएनएल मप्र दूरसंचार परिमंडल में पौधरोपण किया गया. यह आयोजन दूरसंचार महिला कल्याण संगठन द्वारा बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय एवं अरेरा टेलीफोन एक्सचेंज परिसर में किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूत करना रहा. कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन की अध्यक्ष मीनाक्षी सिंह एवं बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार ने किया.

एनजीटी ट्रिब्यूनल अधिवक्ता संघ: एनजीटी ट्रिब्यूनल अधिवक्ता संघ द्वारा एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया. जो अरेरा हिल्स से प्रारंभ होकर शाहपुरा पार्क में सम्पन्न हुई. इस रैली में लगभग सौ से ज्यादा अधिवक्ता और शहर के रेसर शामिल हुए. शाहपुरा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सभी ने शपथ ली कि पर्यावरण को सुधारने के लिए अपनी तरफ से पूर्ण सहयोग और जन जागृति फैलाएंगे.

सभी दुग्ध संघों में हुआ पौधरोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) सहित प्रदेश के सभी सहकारी दुग्ध संघों में वृक्षारोपण किया गया. एमपीसीडीएफ मुख्यालय, भोपाल परिसर में इंडियन डेयरी एसोसिएशन के चेयरमेन सुधीर कुमार सिंह, एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवानी तथा महाप्रबंधक जयदेव विश्वास उपस्थित रहे.

इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया. एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवानी ने कहा, 'वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन के आधार नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, कृषि और पशुधन के संरक्षण के लिए भी अत्यंत आवश्यक है.

जिला पुस्तकालय परिसर: जिला पुस्तकालय परिसर में भी पौधरोपण कार्यक्रम हुआ. इस दौरान पुस्तकालय प्रभारी पुष्पा रायकवार ने पेड़ों के संरक्षण और विस्तार के लिए निरंतर प्रयास करने के लिये सभी से अनुरोध किया.

एक नजर में

गांधी मेडिकल कॉलेज में लगाये पौधे

भोपाल. पर्यावरण दिवस पर गांधी मेडिकल कॉलेज परिसर में केयर एंड सपोर्ट (सीएससी) केंद्र और एआरटी केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. एक पेड़ एक याद एक जीवन विषय पर आधारित इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी एचआईवी पीड़ित साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करना रहा, जिन्होंने इस बीमारी के कारण दम तोड़ दिया. कार्यक्रम में जीएमसी की डीन डॉ.कविता एन सिंह और एआरटी केंद्र के नोडल ऑफिसर डॉ. हेमंत वर्मा ने पौधे रोपे .डॉ. कविता एन सिंह ने जीवन और प्रकृति दोनों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पेड़ ही हमारे जीवन का आधार हैं.

'सिर्फ किशोर दा' में गूंजे किशोर के अमर गीत

भोपाल. पॉलीटेक्निक कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित संगीतमय कार्यक्रम 'सिर्फ किशोर दा' में किशोर कुमार के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम का आयोजन विपिन शर्मा और इंजीनियर आशु द्वारा किया गया. विपिन शर्मा, विवेक शर्मा, इंजीनियर आशु, किशोर पाठक, प्रदीप शर्मा, डॉ. राणा, राजेश सरीन, अवतार मेहरा और शंकर मूर्ति ने किशोर कुमार के कई लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए. 'पल पल दिल के पास', 'रिमझिम गिरे सावन', 'मुसाफिर हूं यारों' और 'आ चल के तुझे' जैसे गीतों ने माहौल को संगीतमय बना दिया. इस दौरान विवेक शर्मा, प्रदीप शर्मा तथा किशोर पाठक (वॉयस ऑफ किशोर) और सुनील सोनहिया को सम्मानित किया गया.

कजाक में दिखेगा सात खिलाड़ियों का दम

भोपाल. मध्यप्रदेश राज्य वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने एक बार फिर प्रदेश का नाम रोशन किया है. कजाकिस्तान के तुर्किस्तान में 7 जून तक आयोजित एशियन कैनो स्प्रिंट जूनियर, अंडर-23 और एशियन पैरा कैनो चैंपियनशिप के लिए अकादमी के 7 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है. चयनित खिलाड़ियों में कैनो स्प्रिंट वर्ग से संतोष सिंह, प्रिंस गोस्वामी, दीपिक देमार, डैली बिश्नोई और निहारिका सिंह शामिल हैं. वहीं पैरा कैनो वर्ग में प्राची यादव और मनीष कुराव भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. टीम के साथ कोच कैप्टन पीजुष बरोई भी मौजूद रहेंगे. मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की यह उपलब्धि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और लगातार अच्छे प्रदर्शन का परिणाम मानी जा रही है. राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार खेल दिखाने के बाद इन खिलाड़ियों ने भारतीय टीम में जगह बनाई है. खास बात यह है कि पैरा कैनो वर्ग में प्राची यादव और मनीष कुराव का चयन प्रदेश के लिए गर्व की बात है. खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं. पैरा कैनो शारीरिक रूप से अक्षम एथलीटों के लिए अनुकूलित समतल जल स्प्रिंट खेलहै । प्रतियोगी 200 मीटर की दूरी पर व्यक्तिगत रूप से दौड़ लगाते हैं, जिसमें वे या तो कयाक (दोहरे ब्लेड वाले पैडल का उपयोग करते हुए) या वा'आ (एकल ब्लेड वाले पैडल का उपयोग करते हुए आउट्रिगर कैनो) का उपयोग करते हैं।

अंकुर ने एक्रोबेट को हराया

प्रसून सारंग स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 5 जून. प्रसून सारंग स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को खेले गए मुकाबलों में एक ओर जहां बारिश ने सेज अवेयर गोस्वामी क्रिकेट अकादमी और कनाड़ा विदिशा के बीच जीत-हार का फैसला नहीं होने दिया, वहीं दूसरे मुकाबले में अंकुर ने एक्रोबेट को 6 रन से हराया.

पहले मैच में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी एसएजीसीए की टीम 22.3 ओवर में 102 रन पर ऑलआउट हो गई. यथार्थ डांगी ने 31, अतुलित विश्वकर्मा ने 12 रन का योगदान दिया. जवाब में कनाड़ा विदिशा ने 4.1 ओवर में 1 विकेट पर 14 रन बना लिए थे. इसी दौरान तेज बारिश शुरू हो गई और मैच को नो रिजल्ट घोषित कर दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया. दूसरे मुकाबले में अंकुर की टीम ने 19 ओवर में 94 रन बनाए. जवाब में एक्रोबेट की टीम 25 ओवर में 88 रन पर 4 विकेट ही खो सकी. प्रिंस बघेल ने 35 रन कीपारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके. खुशग्र भट्ट ने 2 विकेट लेकर अंकुर को 6 रन से जीत दिलाई.

सारा के गोल से लॉयल एफसी अगले दौर में

भोपाल 5 जून. टीटी नगर स्टेडियम में खेली जा रही खेलो भोपाल बेबी लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में गर्ल्स ओपन कैटेगरी का मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा. लॉयल एफसी ने ब्लू डेविल्स को 1-0 से हराकर प्रतियोगिता के अगले दौर में जगह बना ली. मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने तेज खेल दिखाया और गेंद पर कब्जा बनाने के लिए कड़ा संघर्ष किया. दर्शकों की नजरें लगातार मैदान पर टिकी रहीं. मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लॉयल एफसी की सारा सिद्दीकी ने किया. सारा ने मिले मौके का शानदार फायदा उठाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया और अपनी टीम को बढ़त दिला दी.

विरासत जीवंत

भोपाल. आर. सी. वी. पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना अमिता खरे और उनकी शिष्याओं ने अपनी प्रस्तुति 'रंग-ए-हिंद' के माध्यम से भारतीय संस्कृति की बहुरंगी विरासत को जीवंत कर दिया.

युवराज के दम पर अरेरा की जीत

खेल प्रतिनिधि

भोपाल 5 जून. डीपीएस खेल मैदान पर खेले गए एचएमजी कप 2026 अंडर-15 इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में अरेरा क्रिकेट अकादमी ने अभय गोस्वामी क्रिकेट अकादमी को 98 रन से हरा दिया. मैच में अरेरा के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने हर विभाग में दमदार खेल दिखाया.

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अरेरा क्रिकेट अकादमी ने 35 ओवर में 8 विकेट पर 209 रन का स्कोर खड़ा किया. युवराज ने 72 रन बनाए, सुधांशु ने 61 रन की पारी खेली. इरनवीर सिंह ने भी 30 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया. अभय गोस्वामी अकादमी के वेदांत चौहान ने 3, युग रावत ने 2 विकेट लिए. 210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अभय गोस्वामी क्रिकेट अकादमी की शुरुआत अच्छी नहीं रही. नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 30.2 ओवर में 111 रन पर सिमट गई. दिव्यांश गोयल ने 48 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके. अरेरा के केतन ने 3, आदित्य सोलंकी ने 2 विकेट लिए. युवराज ठाकुर को मेन ऑफ द मैच चुना गया.

अनेरी की गेंदबाजी से सचिन हाउस विजयी

भोपाल 5 जून. मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकादमी के इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट में सचिन तेंदुलकर हाउस ने युवराज सिंह हाउस को 49 रन से हराकर जीत दर्ज की. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सचिन तेंदुलकर हाउस ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 106 रन बनाए. रिजवान ने 42 रन की उपयोगी पारी खेली, अमोघ रावत ने 12 रन जोड़े. जवाब में 107 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी युवराज सिंह हाउस की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई. सचिन हाउस के गेंदबाजों ने लगातार विकेट झटककर मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी. पूरी टीम 19 ओवर में केवल 57 रन पर सिमट गई.

बच्चों ने दिया जल संरक्षण का संदेश

निज संवाददाता

भोपाल, 5 जून. एक जुट थिएटर एंड वेलफेयर समिति द्वारा मायाराम सृजन भवन में आयोजित 20 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन रंगारंग प्रस्तुति के साथ हुआ. समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने 'बूंद-बूंद बने सागर' नाटक का मंचन कर जल संरक्षण का संदेश दिया. यह नाटक बच्चों ने स्वयं तैयार किया था. इसमें बताया गया कि पानी को बचाना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है और छोटे-छोटे प्रयासों से आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रखा जा सकता है. बच्चों ने संदेश दिया कि ब्रश या बर्तन धोते समय नल खुला न छोड़ें, पाइप की जगह बाल्टी और मग का उपयोग करें.

धरोहर | संग्रहालय में अस्तित्व बताती 4 हजार साल पुरानी नदी सभ्यता

धर्म दर्शन और संस्कृति की विरासत समेटे नदियों के अवशेष

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 5 जून. भारतीय धर्म दर्शन में प्रकृति के समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का अनूठा रूप शहर के राज्य पुरातत्व संग्रहालय में अपने अस्तित्व को आज भी संजोये हुये है. पुरातत्व विशेषज्ञ बी के लोखंडे के अनुसार नदी देवियों के दिव्य स्वरूप में हजारों साल पुरानी गंगा और यमुना की मूर्तियों में शिवपुरी जिले के केलधर से प्राप्त करीब 7 वीं से 8 वीं शताब्दी की प्रतिमाएं संग्रहालय में मौजूद हैं.

इसके अलावा रीवा से प्राप्त करीब 10 वीं शताब्दी की गंगा और छतरपुर के धुबेला से प्राप्त 10 वीं शताब्दी की यमुना की भव्य प्रतिमाएं भी मौजूद हैं.

उन्होंने बताया कि पत्थरों पर गढ़ी अद्भुत मूर्तियों में कलाकारों ने नदी को देवियों के रूप में दिखाया है. जीवनदायिनी स्वरूप में उनके शीश पर सर्प का छत्र, बेल, पताका, पक्षियों का अंकन, हाथ में जलपात्र और मानवीय जीवन के साथ विभिन्न जलचर प्राणियों को बेहद खूबसूरती से उकेरा है.जो हजारों साल पहले अपने अस्तित्व और महत्व को बखूबी बताती हैं.

> **चार हजार साल पुरानी मानव सभ्यता के दुर्लभ अवशेष**
>
> संग्रहालय में नर्मदा, क्षिप्रा नदियों के मुहाने की लगभग 4 हजार वर्ष पुरानी प्राचीन सभ्यताओं के दुर्लभ अवशेष भी सहेज कर रखे गए हैं .इनमें उज्जैन के कायथा और दंगवाड़ा सहित नेमावर घाट के समीप खेड़ीनेमा बिरजाखेड़ी और एकलवारा इत्यादि ऐतिहासिक स्थलों के अवशेष शामिल हैं, जो हमारी पुरातन संस्कृति की महानता और उसकी जड़ों को गहराई से दर्शाते हैं.

भारत भवन में 'भावानुभाव' का शुभारंभ

'वन्दे कृष्णं जगतगुरुं' व 'माधव दर्शनम्' की प्रस्तुति

निज संवाददाता

भोपाल, 5 जून. भारत भवन के अंतरंग मंच पर शुक्रवार से शुरू हुए तीन दिवसीय नृत्य समारोह 'भावानुभाव' के पहले दिन कथक और भरतनाट्यम शास्त्रीय नृत्य शैलियों से भगवान श्रीकृष्ण के विविध रूपों, लीलाओं और दर्शन को मंच पर जीवंत किया गया.

समारोह की शुरुआत प्रसिद्ध कथक कलाकार करण गंगानी और उनके साथी कलाकारों की प्रस्तुति 'वन्दे कृष्णं जगतगुरुं' से हुई. प्रस्तुति का आरंभ संत सूरदास

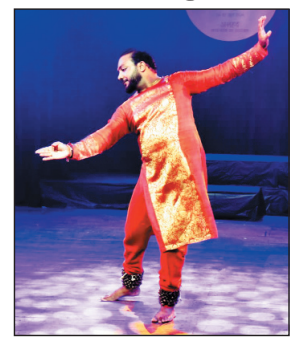

के पद 'नाचत सुधंग श्री नंद नंदन' से हुआ. इसमें बालकृष्ण की चंचलता और आकर्षण को कथक शैली में सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया. इसके बाद तीनताल में शुद्ध कथक की प्रस्तुति ने दर्शकों को लय और ताल की बारीकियों से परिचित कराया.पंडित भीमसेन जोशी के लोकप्रिय भजन 'बाजे रे मुरलिया बाजे' पर कलाकारों ने श्रीकृष्ण की माधुर्य लीला को सजीव कर दिया. प्रस्तुति का समापन 'यदा यदा हि धर्मस्य' श्लोक के साथ हुआ.

इसके बाद भरतनाट्यम नृत्यांगना श्वेता देवेंद्र और पद्मरंग नृत्य अकादमी की 30 नृत्यांगनाओं ने 'माधव दर्शनम्' नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की शुरुआत 'यशोदा हरि पालने झुलावे' से की. गोपियों के साथ प्रसंग और माखन चोरी के दृश्य आकर्षण का केंद्र रहे. समारोह के दूसरे दिन शनिवार शाम 7 बजे ओडिसी नृत्य शैली में गीत गोविन्दम् और कथक शैली में अष्टपदी व नवरस की प्रस्तुति होगी.